नॉर-प्लांट यह आखिर है क्या?

जुही जैन

औरत चाहे शहर में रहने वाली हो, चाहे गांव की। पढ़ी-लिखी हो या अनपढ़। अपने शरीर पर उसका अपना हक है। उसे अधिकार है कि वह फैसला कर सके कि वह कब बच्चा चाहती है, कब नहीं। औरत के इसी नजरिए को लेकर सरकार नित-नए गर्भ निरोधक बनाए जा रही है। इनमें से ज्यादातर निरोधक औरतों के लिए हैं।

आजकल सरकार एक नए गर्भ-निरोधक नॉर-प्लांट का ज़ोर-शोर से प्रचार कर रही है। यह पूरी जांच किए बिना बड़े पैमाने पर औरतों को लगाया जा रहा है। काफी महिला संगठनों ने इस निरोधक के खिलाफ आवाज उठाई है। सरकार को ज्ञापन भी दिए हैं। साथ ही औरतों को इस बारे में जानकारी भी दी जा रही है। आइए देखें, यह नॉरप्लांट आखिर है क्या? इसका उपयोग किस हद तक सुरक्षित है? क्या इसका इस्तेमाल करने के बाद दोबारा औरतें स्वस्थ बच्चे पैदा कर पाएंगी?

नॉरप्लांट क्या है?

नॉरप्लांट रबर की छः नलियों से बना है। इन नलियों में 'लेवनोजॅस्ट्रोल' नाम का रसायन भरा होता है। ये नलियां औरत की बाजू की चमड़ी के नीचे लगाई जाती हैं। ये रसायन रिसकर खून में मिलता रहता है। इससे पांच साल तक बच्चा नहीं ठहरता। पांच साल खत्म होने पर इसे निकलवा देना ज़रूरी है क्योंकि अब इससे गर्भ धारण होने की संभावना होती है। साथ ही बचे हुए रसायन की वजह से बच्चा बच्चेदानी की जगह अंडा प्रवाहित करने वाली नली में बड़ा होने लगेगा। ऐसा होने पर अगर ठीक समय पर आपरेशन नहीं किया गया तो औरत की जान भी जा सकती है।

लगाने और हटाने का तरीका

नॉरप्लांट लगाने के लिए एक छोटा ऑपरेशन किया जाता है। इसे निकालने के लिए भी ऑपरेशन किया जाता है। निकालने वाला ऑपरेशन ज्यादा कठिन होता है क्योंकि इन नलियों के आस-पास गांठें बन जाती हैं। कभी-कभी ये नलियां खिसक कर दूसरी जगह पहुंच जाती हैं। इसलिए सावधानी और सफाई से न किए जाने से घाव बिगड़ जाता है।

नॉरप्लांट लगाने से जुड़े खतरे

नॉरप्लांट के इस्तेमाल करने से कई परेशानियां सामने आती हैं।

1. नॉरप्लांट का असर दिमाग के कई हिस्सों में होता है जिससे मानसिक रोग भी हो सकता है।
2. दिल की और रक्त चाप की बीमारी हो सकती है।
3. माहवारी बंद होने, ज्यादा खून गिरने, बार-बार माहवारी आने जैसी शिकायतें हो सकती हैं।
4. अंडेदानी में फोड़े भी हो सकते हैं।
5. बाल झड़ना, सरदर्द, वजन घटना-बढ़ना, खुजली व पित्त भी हो सकती है।

6. टांगों व शरीर की नसों में गांठे हो सकती हैं। लंबे समय तक इस्तेमाल के बारे में अभी पूरी जानकारी नहीं है। पर अब तक हुए परीक्षणों में कुछ औरतों को कैंसर होने लगा है।

ज़रूरी सावधानियां

क्या सब औरतें नॉरप्लांट इस्तेमाल कर सकती हैं? नहीं। अगर आपको रक्तचाप, दिल की बीमारी, पीलिया, कैंसर, तपेदिक, मिर्गी आदि जैसी तकलीफें हैं तो आपको नॉरप्लांट नहीं लगाना चाहिए। माहवारी नियमित और स्वस्थ न हो, या फिर आप गर्भवती हों या बच्चे को दूध पिलाती हों तो भी यह निरोधक आपके लिए ठीक नहीं है।

अगर आप नॉरप्लांट लगवा चुकी हैं और लगवाने के बाद आपको माहवारी न आए या पेट के निचले हिस्से में दर्द हो तो आपको यह निकलवा देना चाहिए। सरदर्द रहना, छाती या बाजू में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, मितली आना, उल्टी में खून, चक्कर आना, ऐसी शिकायतें होने पर भी नॉरप्लांट तुरंत निकलवा देना चाहिए।

अगर नॉरप्लांट लगाने पर भी आपको बच्चा ठहर जाए तो? ऐसी स्थिति में तुरंत गर्भपात करा लेना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया तो बच्चे को कैंसर भी हो सकता है। खासकर, गर्भ में लड़की होने पर उसके अंग लड़कों जैसे बन सकते हैं।

नॉरप्लांट का इस्तेमाल बंद करने पर क्या बच्चा ठहर सकता है? यह तो दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि नॉरप्लांट निकालने पर बच्चा स्वस्थ होगा। पर फिर भी अनुमान यह है कि नॉरप्लांट के रसायन से मिलते-जुलते रसायनों के इस्तेमाल के बाद औरतें दोबारा बच्चे पैदा नहीं कर सकी हैं।

इन सब बातों को जानने के बाद मुख्य रूप से यह तय हो चुका है कि वास्तव में नॉरप्लांट का इस्तेमाल औरतों के लिए नुक्सानदायक है। मूल बात यह है कि यह निरोधक ऐसा नहीं है जिसको हम अपनी मर्ज़ी से लगा सकें या निकाल पाएं। मतलब, हर बार हमें डाक्टर के पास जाना होगा। यानि हमारे बुनियादी हक हमारे न होकर किसी और के होंगे। कुछ लोग कहते हैं कि अमरीका में भी औरतें इसका इस्तेमाल करती हैं। पर हम यह न भूलें कि अमरीका और भारत के हालात में फर्क है। वहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं हैं। नुक्सान की भरपाई के कानून हैं। जानकारी का स्तर ऊंचा है। भारत में ऐसा कुछ नहीं है। यहां लोगों को इलाज तक तो ठीक से मिलता नहीं। फिर ये दूसरी सुविधाएं कहां।

नॉरप्लांट हम सबके लिए खतरनाक है। इसका विरोध करना हमारा फ़र्ज है। बगैर परीक्षण इसका प्रयोग ग़ैर-कानूनी है। इसलिए 'सबला' की ओर से हम आपको अपने स्तर पर इस अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

(नॉरप्लांट पर अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :—
जागोरी-सी-54 साउथ एक्सटेंशन-II
नई दिल्ली-110049)